



डॉ० राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, अयोध्या (उ०प्र०)

DR. RAMMANOHAR LOHIA AVADHUNIVERSITY, AYODHYA (U.P.)

राष्ट्रीय सहारा, अयोध्या

दिनांक: 07 जनवरी, 2023

पृष्ठ संख्या: 02

सड़क सुरक्षा के प्रति संचार माध्यमों की जिम्मेदारी ज्यादा

अयोध्या (एसएनबी)। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के जनसंचार एवं पत्रकारिता विभाग में शुक्रवार को सड़क सुरक्षा जागरूकता में संचार माध्यमों की भूमिका विषयक गोष्टी आयोजित की गई। गोष्टी में एमसीजे समन्वयक डॉ. विजयेन्द्र चतुर्वेदी ने कहा कि सड़क सुरक्षा के प्रति संचार माध्यमों की जिम्मेदारी अत्यधिक बढ़ गई है। सड़क पर होने वाली दुर्घटनाओं का मीडिया प्रसारित एवं प्रकाशित करना आमजननामास को काफी जागरूक करती है। फिर भी दुर्घटनाओं में कमी नहीं देखी जा रही है। सड़क सुरक्षा के नियमों की अत्यधिक स्वयं के साथ अन्य के परिवारों को अपनी जान बचानी पड़ती है। आज जरूरत है कि सड़क सुरक्षा के नियमों का कार्डार्ड के साथ अनुपालन हो और अन्य को भी जागरूक करने की पहल की जाये। सड़क सुरक्षा के प्रति सतर्कता बरतने के लिए शिक्षण संस्थाओं, सरकारी, गैरी सरकारी संस्थाओं द्वारा अभियान चलाया जा रहा है।

विभाग के शिक्षक डॉ. राजनारायण पांडेय ने कहा कि सड़क सुरक्षा लोगों के जीवन से जुड़ा हुआ है। सभी को वाहन चलाने समय सकर्ता बरतनी जरूरी है। सड़क दुर्घटना के पौछे लोगों द्वारा किये गये सड़क मार्गों पर अतिक्रमण भी है। सभी को सड़क सुरक्षा के संकेतों का पालन करना चाहिए। डॉ. अनिल कुमार



सड़क सुरक्षा जागरूकता में संचार माध्यमों की भूमिका विषयक गोष्टी में शामिल शिक्षक व विद्यार्थी। फोटो: एसएनबी

विद्या ने कहा कि सड़क सुरक्षा के नियमों का अनुपालन करते हुए दुर्घटना बचा जा सकता है। दीशा अनुपालन सभी की जिम्मेदारी बढ़ाती है। हिमाशी सिंह ने कहा कि युवा आवर स्पीड वाहन न चलायें। जगन्नाथ मिश्र ने कहा कि सड़क सुरक्षा के नियमों का पालन स्वयं सकल्पित होकर करना होगा। अभियेक दूबे ने कहा कि सड़क सुरक्षा के नियमों का कहा कि सड़क सुरक्षा के नियमों की लापरवाही के

**पत्रकारिता के
छात्र-छात्राओं ने
सड़क सुरक्षा के मुद्दों
पर किया मथन**

कारण काफी संख्या में लोग विकलांग हो जा रहे हैं। गोष्टी में हार्दिक्या यादव ने कहा कि सड़क सुरक्षा से जागरूक करार्ड में मीडिया की विशेष भूमिका होती है।

सुधांशु शुक्ला ने कहा कि सड़क सुरक्षा के प्रति मीडिया प्रेरक है। शैलेश यादव ने कहा कि देश की सीमा पर जितने जवान शहीद नहीं होते, उससे ज्यादा सड़क दुर्घटना में जान गवा बैठते हैं। उत्तम ओझा ने कहा कि दुर्घटना से आर्थिक नुकसान होता है। अतुल कुमार ने कहा कि सर्वेक्षण से पता चलता है कि अत्यधिक भौति सड़क हावसे की बजह से होती है। इसके लिए जनपद स्तर पर कार्यक्रम चलाकर जागरूक होना होगा। सौरभ मिश्र ने कहा कि सड़क दुर्घटना के उपरांत चिकित्स उपचार तकाल आवश्यक है। इससे जीवन रक्षा हो जाती है।

आदर्श मिश्र ने कहा कि सड़क सुरक्षा के नियमों का पालन युवाओं को अत्यधिक करना चाहिए। प्रगति ठाकुर ने कहा कि वाहन चलाने समय सेट बेल्ट व हेलमेट लगाना पहली प्राथमिकता होनी चाहिए। मनीषा ओझा ने कहा कि सड़क सुरक्षा आवश्यक उपयोग है। निलेश द्विवेदी ने कहा कि सड़क दुर्घटना में हजारों लोगों की मौत रोज होती है। इसके पैछे कहीं न कहीं हम सभी जिम्मेदार हैं। अनमोल उपाध्याय ने भी विचार रखे। संचालन छात्र तात्परा सिंह ने किया। धन्यवाद जापन छात्रा प्रनीता राय ने किया।

हिन्दुस्तान, अयोध्या

दिनांक: 07 जनवरी, 2023

पृष्ठ संख्या: 02 व 03

सड़क सुरक्षा के मुद्दे पर मंथन

अवध विवि

अयोध्या, संवाददाता। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के जनसंचार एवं पत्रकारिता विभाग में सड़क सुरक्षा माह के तहत 'सड़क सुरक्षा जागरूकता' में संचार माध्यमों की भूमिका' विषय पर गोष्ठी की गई। इसमें विद्यार्थियों ने सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता के मुद्दे पर मंथन किया और अपने विचार रखे।

गोष्ठी को संबोधित करते हुए एमसीजे के समन्वयक डॉ. विजयेन्दु चतुर्वेदी ने कहा कि सड़क सुरक्षा के प्रति संचार माध्यमों की जिम्मेदारी अत्यधिक बढ़ गई है। सड़क पर होने वाली दुर्घटनाओं का मीडिया द्वारा प्रसारित एवं प्रकाशित की जाती है जो आमजनमानस को काफी जागरूक करती है। उन्होंने बताया कि सड़क सुरक्षा के नियमों की अवहेलना स्वयं के साथ अन्य के परिवारों को अपनी जान गंवानी पड़ती है। इसलिए सड़क सुरक्षा के नियमों का

कड़ाई के साथ अनुपालन हो। शिक्षक डॉ. राजनारायण पाण्डेय ने कहा कि सड़क सुरक्षा लोगों के जीवन से जुड़ा हुआ है। सभी को वाहन चलाते समय सतर्कता बरतनी जरूरी है। डॉ. अनिल कुमार विश्वा ने कहा कि सड़क सुरक्षा के नियमों का अनुपालन करना सभी की जिम्मेदारी बनती है। संचार माध्यमों द्वारा सुरक्षा के प्रति लोगों को निरंतर जागरूक किया जाता रहा है। छात्रा हिमांशी सिंह ने कहा कि युवा ओवर स्पीड वाहन न चलाएं। जग्गनाथ मिश्र ने कहा कि सड़क सुरक्षा के नियमों का पालन स्वयं संकल्पित होकर करना होगा। अभिषेक दूबे ने कहा कि सड़क सुरक्षा के नियमों का अनुपालन करते हुए दुर्घटना से बचा जा सकता है।

दीक्षा गौतम ने कहा कि वाहन चलाते समय मोबाइल का प्रयोग न करें। रोशनी कुमारी ने कहा कि सड़कों पर सीमित गति से वाहन चलाएं। अभिषेक पाण्डेय ने कहा कि सड़क सुरक्षा के नियमों की लापरवाही के कारण काफी संख्या में लोग विकलांग हो जा रहे हैं।

कुलपति व शिक्षकों ने किया योगाभ्यास

अयोध्या। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के योगिक विज्ञान की ओर से योगाभ्यास कार्यक्रम में योगाचार्य आलोक तिवारी ने योग कराया गया। इसमें कुलपति प्रो. प्रतिभा गोयल सहित शिक्षक व अधिकारियों ने हिस्सा लिया। अवध विश्वविद्यालय की ओर से नववर्ष पर वर्चुअल योगाभ्यास कार्यक्रम आयोजित किया जारहा है। जिसके तहत योगाचार्य तिवारी ने शुक्रवार को भस्तिका, अनुलोम-विलोम, कपाल भाति कराया।

अमर उजाला माईसिटी, अयोध्या

दिनांक: 07 जनवरी, 2023

पृष्ठ संख्या: 03

सड़क सुरक्षा के प्रति बढ़ी जिम्मेदारी अवधि विश्वविद्यालय में संचार माध्यमों की भूमिका पर गोष्ठी

संवाद न्यूज एजेंसी

अयोध्या। सड़क सुरक्षा के प्रति संचार माध्यमों की जिम्मेदारी अत्यधिक बढ़ गई है। सड़क पर होने वाली दुर्घटनाएं मीडिया द्वारा प्रसारित व प्रकाशित की जाती हैं। जो आम जनमानस को काफी जागरूक करती हैं। इसके बावजूद दुर्घटनाओं में कमी नहीं देखी जा रही है। यह बातें अवधि विश्वविद्यालय के एमसीजे के समन्वयक डॉ. विजयेन्दु चतुर्वेदी ने कहीं।

वह शुक्रवार को जनसंचार एवं पत्रकारिता विभाग में सड़क सुरक्षा जागरूकता में संचार माध्यमों की भूमिका विषय पर आयोजित एक गोष्ठी को संबोधित कर रहे थे। विभाग के शिक्षक डॉ. राजनारायण पांडेय ने कहा कि सभी



अवधि विवि में आयोजित गोष्ठी में मौजूद
डॉ. विजयेन्दु चतुर्वेदी व अन्य। -संवाद

को बाहन चलाते समय सतर्कता बरतनी जरूरी है। डॉ. अनिल कुमार ने कहा कि सड़क सुरक्षा के नियमों का अनुपालन करना सभी की जिम्मेदारी बनती है।

यातायात नियमों का पालन करने की अपील : एमसीजे विभाग की छात्रा हिमांशी सिंह ने कहा कि युवा ओवर स्पीड बाहन न चलाएं। जगनाथ मिश्र ने कहा कि सड़क सुरक्षा के नियमों का पालन स्वयं संकल्पित होकर करना

होगा। अभियेक दूबे ने कहा कि सड़क सुरक्षा के नियमों का अनुपालन करते हुए दुर्घटना से बचा जा सकता है। दीक्षा गौतम ने कहा कि बाहन चलाते समय मोबाइल का प्रयोग न करें। रोशनी कुमारी ने कहा कि सड़क पर सीमित गति से बाहन चलाएं।

अभियेक पांडेय, हरिकृष्ण यादव व सुधांशु शुक्ला ने कहा कि सड़क सुरक्षा के प्रति मीडिया प्रेरक है। शैलेश यादव ने कहा कि देश की सीमा पर जितने जवान शहीद नहीं होते हैं उससे ज्यादा सड़क दुर्घटना में जान गवा बैठते हैं। उत्तम ओझा व अतुल कुमार ने कहा कि जनपद स्तर पर कार्यक्रम चलाकर लोगों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक होना होगा। अन्य छात्रों ने भी यातायात नियमों का पालन करने की अपील की।

पायनियर, अयोध्या

दिनांक: 07 जनवरी, 2023

पृष्ठ संख्या: 07

विवि में सड़क सुरक्षा जागरूकता में संचार माध्यमों की भूमिका पर गोष्टी का आयोजन

- पत्रकारिता के छात्र व छात्राओं ने सड़क सुरक्षा के मुद्दों पर किया मंथन

अयोध्या। डॉ. राममनोहर लोहिया अवधि विवि के जनसंचार एवं पत्रकारिता विभाग में शुक्रवार को सड़क सुरक्षा जागरूकता में संचार माध्यमों की भूमिका विषय पर एक गोष्टी आयोजित की गई। गोष्टी को संबोधित करते हुए एमसीजे समन्वयक डॉ० विजयेन्दु चतुर्वेदी ने कहा कि सड़क सुरक्षा के प्रति संचार माध्यमों की जिम्मेदारी अत्यधिक बढ़ गई है। सड़क पर होने वाली दुर्घटनाओं का मीडिया द्वारा प्रसारित एवं प्रकाशित की जाती है जो आमजनमानस को काफी जागरूक करती है। दुर्घटनाओं में कमी नहीं देखी जा रही है। डॉ० चतुर्वेदी ने बताया कि सड़क सुरक्षा के नियमों की अवहेलना स्वयं के साथ अन्य के



परिवारों को अपनी जान गवानी पड़ती है। आज जरूरत है कि सड़क सुरक्षा के नियमों का कड़ाई के साथ अनुपालन हो और अन्य को भी जागरूक करने की पहल की जाये। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार द्वारा सड़क सुरक्षा के प्रति सतर्कता बरतने के लिए समय=पर शिक्षण संस्थानों सहित कई सरकारीए गैर सरकारी संस्थाओं द्वारा अभियान चलाया जा रहा है। मीडिया द्वारा चलाई जा रही मुहिम का लोगों के बीच व्यापक असर पड़ रहा है।

विभाग के शिक्षक डॉ० राजनारायण पाण्डेय ने कहा कि सड़क सुरक्षा लोगों के जीवन से जुड़ा हुआ है। सभी को वाहन चलाते समय सतर्कता बरतनी जरूरी है। उन्होंने सड़क दुर्घटना के कई कारणों को गिनाते हुए कहा कि सड़क दुर्घटना के पीछे लोगों द्वारा किए गए सड़क मार्गों पर अतिक्रमण भी है। इसें रोकने के लिए पत्रकारों द्वारा कवरेज की जिम्मेदारी बढ़ जाती है। सभी को सड़क सुरक्षा के संकेतों का पालन करना चाहिए।

जनमोर्चा, अयोध्या

दिनांक: 07 जनवरी, 2023

पृष्ठ संख्या: 08

'सड़क सुरक्षा में संचार माध्यमों की भूमिका बढ़ी'

विवि में सड़क सुरक्षा जागरूकता में संचार माध्यमों की भूमिका पर गोष्ठी का आयोजन

आयोग्य।

बैंग, राममनोहर लोहिया अध्यक्ष प्रश्नाविदातय के जनसंचार एवं प्रकल्परिति विभाग में सुन्दरवार को सड़क सुरक्षा जागरूकता में संचार माध्यमों की भूमिका विषय पर एक गोष्ठी आयोजित की गई। गोष्ठी को संबोधित करते हुए एमसीजी रमन्द्रायक डॉ० प्रियंका द्वारा कहा गया है।

सड़क पर होने वाली दुर्घटनाओं का मीडिया द्वारा प्रसारित एवं प्रकल्पित की जाती है जो आमजनमानस को काफी जागरूक करती है। इसके बावजूद दुर्घटनाओं में कार्री नहीं देखी जा रही है। डॉ० चतुर्वेदी ने जताया कि सड़क सुरक्षा के नियमों की अव्योलना स्थायी के साथ अन्य के परिवहनों को अपनी जान गवानी पड़ती है। आज जरूरत है कि सड़क सुरक्षा के नियमों का कार्री के साथ अनुवालन हो और

अन्य को भी जागरूक करने की पहल की जाये।

विभाग के शिक्षक डॉ० चंद्रनाथ यादव ने कहा कि सड़क सुरक्षा लोगों के जीवन से जुँड़ हुआ है। सभी को बहन चलाते समय सतकंता बसनी जाती है। उन्होंने सड़क दुर्घटना के कई कारणों को गिनाते हुए कहा कि सड़क दुर्घटना के पीछे लोगों द्वारा किए गए सड़क मार्गों पर अलिकमण भी है। इसे रोकने के लिए प्रक्रियाएँ द्वारा करवेज की डिमेडारी जड़ जाती है। सभी को सड़क सुरक्षा के संकेतों का पालन करना चाहिए। इसके साथ ही अवैध ढाहिंग लाइसेंस पर लगाम लगाना चाहिए। तभी होने वाली दुर्घटनाओं पर नियंत्रण पाला जा सकता है। गोष्ठी में विभाग के डॉ० अमित कुमार विश्वा ने कहा कि सड़क सुरक्षा के नियमों का अनुवालन करना सभी की डिमेडारी बनती है। संचार माध्यमों द्वारा सुरक्षा के प्रति लोगों को निर्देश जागरूक किया जाता रहा है।

गोष्ठी में विभाग के छाव-छात्रों

ने भी अपने विचार बांधवंड कर रखे।

हिमांशी सिंह ने कहा कि युवा औंचर सीढ़ी बाहन न चलाये। जग्मनाथ मिश्र ने कहा कि सड़क सुरक्षा के नियमों का पालन स्वयं संकलित संकर करना होगा। अभिषेक द्वारा ने कहा कि सड़क सुरक्षा के नियमों का अनुवालन करने हुए दुर्घटना से बचा जा सकता है। दीक्षा गौतम ने कहा कि बाहन चलाते समय मोबाइल जा प्रयोग न करें। गोष्ठी में आदर्श मिश्र ने कहा कि सड़क सुरक्षा के नियमों का पालन युवाओं को अवश्यकता चाहिए। प्रगति ठाकुर ने कहा कि बाहन चलाते समय सीट बेल्ट व हेल्मेट लगाना पहली प्राथमिकता होनी चाहिए। मनोज आज्ञा ने कहा कि सड़क सुरक्षा आवश्यक डायर है। निलेश हिंदेवी ने कहा कि सड़क दुर्घटना में हाजारों लोगों की मौत रोज़ होती है। इसके पीछे कहीं न कहीं हम सभी जिम्मेदार हैं। गोष्ठी को अनमोल उपाध्याय ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम का संचालन छाज तान्या सिंह द्वारा किया गया।

शांतिमोर्चा, अयोध्या

दिनांक: 07 जनवरी, 2023

पृष्ठ संख्या: 03

अवधि विश्वविद्यालय के जनसंचार एवं पत्रकारिता विभाग में सड़क सुरक्षा जागरूकता में संचार माध्यमों की भूमिका पर गोष्ठी सम्पन्न

सड़क सुरक्षा के नियमों का न करें अवहेलना : डॉ. विजयेन्द्र

(शांतिमोर्चा संवाद)

अयोध्या, 06 जनवरी।

डॉ० रामनन्दोहर लोहिया अवधि विश्वविद्यालय के जनसंचार एवं पत्रकारिता विभाग में शुक्रवार को सड़क सुरक्षा जागरूकता में संचार माध्यमों की भूमिका पर एक गोष्ठी आयोजित करते हुए एमसीजे समन्वयक डॉ० विजयेन्द्र चतुर्वेदी ने कहा कि सड़क सुरक्षा के प्रति संचार माध्यमों की जिम्मेदारी अत्यधिक बढ़ गई है। सड़क पर होने वाली दुर्घटनाओं का मीडिया द्वारा प्रसारित एवं प्रकाशित की जाती है जो आमजनमानस को काफी जागरूक करती है। इसके बावजूद दुर्घटनाओं में कमी नहीं देखी जा रही है। डॉ० चतुर्वेदी ने बताया कि सड़क सुरक्षा के नियमों की अवहेलना स्थाय के साथ अन्य के परिवारों को अपनी जान गवानी पड़ती है। आज जरूरत है कि

सड़क सुरक्षा के नियमों का कड़ाई के साथ अनुपालन हो और अन्य को भी जागरूक करने की पहल की जाये। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार द्वारा सड़क सुरक्षा के प्रति सतर्कता बरतने के लिए समयत्र पर विश्वाण संस्थानों सहित कई सरकारी, गैर

अवैध ड्राइविंग लाइसेंस के रोक से ही होगा दुर्घटनाओं पर नियंत्रण : डॉ. राजनारायण
सड़क सुरक्षा के नियमों का अनुपालन करना सभी की जिम्मेदारी : डॉ. अनिल कुमार विश्वा



सरकारी संस्थाओं द्वारा अभियान चलाया जा रहा है। मीडिया द्वारा चलाई जा रही मुहिम का लोगों के बीच व्यापक असर पड़ रहा है।

विभाग के शिक्षक डॉ० राजनारायण पाठ्येय ने कहा कि सड़क सुरक्षा लोगों के जीवन से जुड़ा हुआ है। सभी को वाहन चलाते समय सतर्कता बरतनी जरूरी है। उन्होंने सड़क दुर्घटना के कई कारणों को गिनाते हुए कहा कि सड़क सुरक्षा के पीछे

लोगों द्वारा किए गए सड़क मार्गों पर अतिक्रमण भी है। इसे रोकने के लिए पत्रकारों द्वारा कवररेप की जिम्मेदारी बढ़ जाती है। सभी को सड़क सुरक्षा के संकेतों का पालन करना चाहिए। इसके साथ ही अवैध ड्राइविंग लाइसेंस पर लगाम लगाना चाहिए। तभी होने वाली दुर्घटनाओं पर नियंत्रण पाया जा सकता है। गोष्ठी में विभाग के डॉ० अनिल कुमार विश्वा ने कहा कि सड़क सुरक्षा के नियमों का अनुपालन करना सभी की

ने कहा कि संस्कृत से पता चलता है कि अत्यधिक मौत सड़क हाइवे की बजह से होती है। इसके लिए जनपद स्तर पर कार्यक्रम चलाकर जागरूक होना होगा। सीरेम निश्च ने कहा कि सड़क दुर्घटना के उपरांत चिकित्स कुमारी ने कहा कि व्यक्ति को रक्षा और सुरक्षा दोनों की आवश्यकता है। इसलिए सड़कों पर सीमित गति से वाहन चलाये। अभियान पाठ्येय ने कहा कि सड़क सुरक्षा के लापरवाही में आदर्श मिश्ना ने कहा कि सड़क सुरक्षा के नियमों का पालन युवाओं को अत्यधिक करना चाहिए। प्रगति टाकुर ने कहा कि वाहन चलाते समय सीट बेल्ट व विकलांग हो जा रहे हैं। गोष्ठी में हरिकृष्ण यादव ने कहा कि सड़क सुरक्षा से जागरूक करने में मीडिया की विशेष भूमिका होती है। सुशांत शुक्ला ने कहा कि सड़क सुरक्षा के प्रति मीडिया प्रेरक है। शीलश यादव ने कहा कि देश की सीमा पर जितने जवान शहीद नहीं होते हैं उससे ज्यादा सड़क दुर्घटना में जान गया बैठते हैं। उत्तम ओझा ने कहा कि दुर्घटना से आर्थिक नुकसान होता है। अतल कुमार

हिन्दमोर्चा, अयोध्या

दिनांक: 07 जनवरी, 2023

पृष्ठ संख्या: 08

नियमित योग मानसिक तनाव को करता है कम: आलोक

अयोध्या (हिन्द मोर्चा सं.)। डॉ. राममनोहर लोहिया अवधि विश्वविद्यालय के योगिक विज्ञान द्वारा आयोजित योगाभ्यास कार्यक्रम में योगाचार्य आलोक तिवारी द्वारा योगाभ्यास कराया गया। इसमें विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो० प्रतिभा गोयल व शिक्षक, अधिकारी शामिल रहे। विश्वविद्यालय में नूतनवर्ष के प्रथम प्रभात से आयोजित वर्चुअल योगाभ्यास कार्यक्रम के तहत शुक्रवार को प्रातः सात बजे योगाचार्य द्वारा योग प्राणायाम कराया गया। उन्होंने बताया कि भस्तिका, अनुलोम-विलोम, कपाल भाति अपनी दिनचर्या में अवश्य शामिल करना चाहिए। इससे रक्त संचार एवं फेफड़े की श्वसन शक्ति का संचार होता है। उन्होंने बताया कि शरीर को स्वस्थ्य एवं सक्रिय रखने के लिए प्राणायाम जरूरी है। इससे मानसिक तनाव कम होता है। व्यक्ति को प्रत्येक दिन 30 से 40 मिनट तक योगासन करना चाहिए। शारीरिक शिक्षा, खेल एवं योगिक विज्ञान संस्थान के निदेशक प्रो० एसएस मिश्र ने बताया कि योग व्यक्ति को स्वस्थ बनाये रखने में मदद करता है। कई बीमारियों में योग करने से राहत मिलती है। इससे शरीर की प्रतिरोधक क्षमता के साथ मानसिक तनाव दूर होता है। प्रो० मिश्र ने बताया कि कुलपति प्रो० गोयल की प्रेरणा से नूतन वर्ष से ही निरन्तर योगाभ्यास चलाया जा रहा है। इसमें आवासीय शिक्षक एवं अधिकारी बढ़चढ़ कर सहभागिता दे रहे हैं। योगाभ्यास में कुलसचिव उमानाथ, प्रो० नीलम पाठक, प्रो० हिमांशु शेखर सिंह, प्रो० शैलेन्द्र कुमार, डॉ० पीके द्विवेदी, डॉ० अनिल कुमार मिश्र, डॉ० विजयेन्दु चतुर्वेदी, डॉ० कपिल राना, योगाचार्य अनुराग सोनी, गायत्री वर्मा, डॉ० अनुराग पाण्डेय, डॉ० दिनेश कुमार सिंह, डॉ० अनुराग तिवारी, डॉ० लोकेन्द्र सिंह उमराव, डॉ० कपिदेव सहित अन्य मौजूद रहे।

हिन्दमोर्चा, अयोध्या

दिनांक: 07 जनवरी, 2023

पृष्ठ संख्या: 08

विवि में सड़क सुरक्षा जागरूकता में संचार माध्यमों की भूमिका पर गोष्टी का आयोजन

हिन्द मोर्चा संचारदाता

अयोध्या। डॉ. राममनोहर लोहिया अवधि विश्वविद्यालय के जनसंचार एवं पत्रकारिता विभाग में शुक्रवार को सड़क सुरक्षा जागरूकता में संचार माध्यमों की भूमिका विषय पर एक गोष्टी आयोजित की गई। गोष्टी को संबोधित करते हुए एमसीजे समन्वयक डॉ. विजयेन्दु चतुर्वेदी ने कहा कि सड़क सुरक्षा के प्रति संचार माध्यमों की जिम्मेदारी अत्यधिक बढ़ गई है। सड़क पर होने वाली दुर्घटनाओं का मीडिया द्वारा प्रसारित एवं प्रकाशित की जाती है जो आमजनमानस को काफी जागरूक करती है। इसके बावजूद दुर्घटनाओं में कमी नहीं देखी जा रही है। डॉ. चतुर्वेदी ने बताया कि सड़क सुरक्षा के नियमों की अवहेलना स्वयं के साथ अन्य के परिवारों को अपनी जान गवानी पड़ती है। आज जरूरत है कि सड़क सुरक्षा के नियमों का कड़ाई के साथ अनुपालन हो और अन्य को भी जागरूक करने की पहल की जाये। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार द्वारा सड़क सुरक्षा के प्रति सतर्कता बरतने के लिए समय-समय पर शिक्षण संस्थानों

सहित कई सरकारी, गैर सरकारी संस्थाओं द्वारा अभियान चलाया जा रहा है। मीडिया द्वारा चलाई जा रही मुहिम का लोगों के बीच व्यापक असर पड़ रहा है। विभाग के शिक्षक डॉ. राजनारायण पाण्डेय ने कहा कि सड़क सुरक्षा लोगों के जीवन से जुड़ा हुआ है। सभी को वाहन चलाते समय सतर्कता बरतनी जरूरी है। उन्होंने सड़क दुर्घटना के कई कारणों को गिनाते हुए कहा कि सड़क दुर्घटना के पीछे लोगों द्वारा किए गए सड़क मार्गों पर अतिक्रमण भी है। इसें रोकने के लिए पत्रकारों द्वारा कवरेज की जिम्मेदारी बढ़ जाती है। सभी को सड़क सुरक्षा के संकेतों का पालन करना चाहिए। इसके साथ ही अवैध ड्राइविंग लाइसेंस पर लगाम लगाना चाहिए। तभी होने वाली दुर्घटनाओं पर नियंत्रण पाया जा सकता है। गोष्टी में विभाग के डॉ. अनिल कुमार विश्वा ने कहा कि सड़क सुरक्षा के नियमों का अनुपालन करना सभी की जिम्मेदारी बनती है। संचार माध्यमों द्वारा सुरक्षा के प्रति लोगों को निरंतर जागरूक किया जाता रहा है। उन्होंने कहा कि स्वयं को सुरक्षित रखें और दूसरे को भी सुरक्षित रहने दे।

स्वतंत्र चेतना, अयोध्या

दिनांक: 07 जनवरी, 2023

पृष्ठ संख्या: 04

सड़क सुरक्षा जागरूकता पर गोष्ठी का आयोजन

पत्रकारिता के छात्रों ने सड़क सुरक्षा के मुद्दों पर किया मंथन

स्वतंत्र चेतना

अयोध्या। अवधि विश्वविद्यालय के जनसंचार एवं पत्रकारिता विभाग में शुक्रवार को सड़क सुरक्षा जागरूकता में संचार माध्यमों की भूमिका विषय पर एक गोष्ठी आयोजित की गई। गोष्ठी में एमसीजे समन्वयक डॉ विजयेन्दु चतुर्वेदी ने कहा कि सड़क सुरक्षा के प्रति संचार माध्यमों की जिम्मेदारी अत्यधिक बढ़ गई है।

सड़क पर होने वाली दुर्घटनाओं का मीडिया द्वारा प्रसारित एवं प्रकाशित की जाती है जो आमजनमानस को काफी जागरूक करती है। इसके बावजूद दुर्घटनाओं में कमी नहीं देखी जा रही है। डॉ चतुर्वेदी ने बताया कि सड़क सुरक्षा के नियमों की अवहेलना स्वयं के साथ अन्य के परिवारों को अपनी जान गवानी पड़ती है। आज जरूरत है कि सड़क सुरक्षा के नियमों का



कड़ाई के साथ अनुपालन हो और अन्य को भी जागरूक करने की पहल की जाये। विभाग के शिक्षक डॉ राजनारायण पाण्डेय ने कहा कि सड़क सुरक्षा लोगों के जीवन से जुड़ा हुआ है। सभी को वाहन चलाते समय सतर्कता बरतनी जरूरी है। उन्होंने सड़क दुर्घटना के कई कारणों को गिनाते हुए कहा कि सड़क दुर्घटना के पीछे लोगों द्वारा किए गए सड़क मार्गों पर अतिक्रमण

भी है। इसें रोकने के लिए पत्रकारों द्वारा कवरेज की जिम्मेदारी बढ़ जाती है। सभी को सड़क सुरक्षा के संकेतों का पालन करना चाहिए। गोष्ठी में विभाग के छात्र-छात्राओं ने भी अपने विचार बढ़चढ़ कर रखे। हिमांशी सिंह ने कहा कि युवा ओवर स्पीड वाहन न चलाये। जगनाथ मिश्र ने कहा कि सड़क सुरक्षा के नियमों का पालन स्वयं संकलिप्त होकर करना होगा। अभियेक द्रव्ये

कहा कि सड़क सुरक्षा के नियमों का अनुपालन करते हुए दुर्घटना से बचा जा सकता है। दीक्षा गौतम ने कहा कि वाहन चलाते समय मोबाइल का प्रयोग न करें। रोशनी कुमारी ने कहा कि व्यक्ति को रक्षा और सुरक्षा दोनों की आवश्यकता है। इसलिए सड़क पर सीमित गति से वाहन चलाये। अभियेक पाण्डेय ने कहा कि सड़क सुरक्षा के नियमों की लापरवाही के कारण काफी संख्या में लोग विकलांग हो जा रहे हैं। प्रगति ठाकुर ने कहा कि वाहन चलाते समय सीट बेल्ट व हेल्मेट लगाना पहली प्राथमिकता होनी चाहिए। मनीषा ओझा ने कहा कि सड़क सुरक्षा आवश्यक उपाय है। कार्यक्रम का संचालन छात्रा तान्या सिंह व धन्यवाद ज्ञापन छात्रा प्रनीता राय ने किया। इस अवसर बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

पावन भारत टाइम्स, अयोध्या

दिनांक: 07 जनवरी, 2023

पृष्ठ संख्या: 03

नियमित योग मानसिक तनाव को कटा है कम : आलोक तिवारी विवि की कुलपति सहित शिक्षकों व अधिकारियों ने किया योगाभ्यास

पीबीटी संवाददाता

अयोध्या। डॉ. राममनोहर लोहिया अवधि विश्वविद्यालय के योगिक विज्ञान द्वारा आयोजित योगाभ्यास कार्यक्रम में योगाचार्य आलोक तिवारी द्वारा योगाभ्यास कराया गया। इसमें विश्वविद्यालय की कुलपति प्रौद्योगिकी गोयल व शिक्षक, अधिकारी शामिल रहे। विश्वविद्यालय में नूतनवर्ष के प्रथम प्रभात से आयोजित वर्षुअल योगाभ्यास कार्यक्रम के तहत शृङ्खलार को प्रातः सात बजे योगाचार्य द्वारा योग प्राणायाम कराया गया। उन्होंने बताया कि भस्त्रिका, अनुलोम-विलोम, कपाल भाति अपनी दिनचर्या में अवश्य शामिल करना चाहिए। इससे रक्त संचार एवं फेफड़े की श्वसन शक्ति का संचार होता है। उन्होंने बताया कि शरीर को स्वस्थ एवं सक्रिय रखने के लिए प्राणायाम जरूरी है। इससे मानसिक तनाव कम होता है। व्यक्ति को प्रत्येक दिन 30 से 40 मिनट तक योगासन करना चाहिए। शारीरिक



शिक्षा, खेल एवं योगिक विज्ञान संस्थान के निदेशक प्रौद्योगिकी एसएस मिश्र ने बताया कि योग व्यक्ति को स्वस्थ बनाये रखने में मदद करता है। कई बीमारियों में योग करने से राहत मिलती है। इससे शरीर की प्रतिरोधक क्षमता के साथ मानसिक तनाव दूर होता है। प्रौद्योगिकी ने बताया कि कुलपति प्रौद्योगिकी गोयल की प्रेरणा से नूतन वर्ष से ही निरन्तर योगाभ्यास चलाया जा रहा है। इसमें आवासीय शिक्षक एवं अधिकारी बढ़चढ़ कर सहभागिता दे रहे हैं।

योगाभ्यास में कुलसचिव उमानाथ, प्रौद्योगिकी नीलम पाठक, प्रौद्योगिकी शोध विभाग, प्रौद्योगिकी शैलेन्द्र कुमार, डॉ. पीके द्विवेदी, डॉ. अनिल कुमार मिश्र, डॉ. विजयेन्द्र चतुर्वेदी, डॉ. कपिल राना, योगाचार्य अनुराग सोनी, गायत्री वर्मा, डॉ. अनुराग पाण्डेय, डॉ. दिनेश कुमार सिंह, डॉ. अनुराग तिवारी, डॉ. लोकेन्द्र सिंह उमराव, डॉ. कपिदेव साहत अन्य मौजूद रहे।

पावन भारत टाइम्स, अयोध्या

दिनांक: 07 जनवरी, 2023

पृष्ठ संख्या: 04

**सड़क सुरक्षा जागरूकता में संचार माध्यमों की भूमिका पर गोष्ठी
प्रकारिता के छात्र-छात्राओं ने सड़क सुरक्षा के मुद्दों पर किया मंथन**

पीवीटी संवाददाता
अयोध्या। डॉ. राममोहर लोहिया
अवधि विश्वविद्यालय के जनसचार एवं
प्रकारिता विभाग में शुक्रवार को सड़क
सुरक्षा जागरूकता में संचार माध्यमों की
भूमिका विषय पर एक गोपी आयोजित की
गई। गोपी को संबोधित करते हुए एसीजी
समन्वयक डॉ. विजयेन्द्र चतुर्वेदी ने कहा
कि सड़क सुरक्षा के प्रति सभी माध्यमों
कि जिम्मेदारी अतिथिक बढ़ गई है। सड़क
पर होने वाली दुर्घटनाओं की मीडिया द्वारा
प्रसारित एवं प्रकाशित की जाती है जो
अमजननमास को काफ़ी जागरूक करती
है। इसके बावजूद दुर्घटनाओं में कमी नहीं
देखी जा रही है। डॉ. चतुर्वेदी ने बताया
कि सड़क सुरक्षा के नियमों को अवलोकन स्वयं
के साथ अन्य के परिवर्तों को अपनी
जान गवाना पड़ती है। आज जल्दी है कि
सड़क सुरक्षा के नियमों का काढ़ाना के साथ
अनुपालन हो और अन्य को भी जागरूक
करने के पश्चात् जाए। उठाने का काहा कि
केंद्र और राज्य सरकार द्वारा सड़क सुरक्षा
के प्रति सतर्कता बरतने के लिए समय-
समय पर शिक्षण संस्थानों सहित कई
सरकारी, गैर सरकारी संस्थानों द्वारा
अभियान चलाया जा रहा है। मीडिया द्वारा
चलाना जा रही भूमिका को बोच
व्यापक असर पड़ रहा है। विभाग के
शिक्षक डॉ. राजनारायण पाण्डित ने कहा
कि सड़क सुरक्षा लोगों के जीवन से जुड़ा
हा। सभी जो बालों चलाने समय
सतर्कता बरतनी जरूरी है। उठाने सड़क
दुर्घटना के कारणों को गिनते हुए कहा
कि सड़क दुर्घटना के पीछे लोगों द्वारा किए
गए सड़क मार्गों पर अतिक्रमण होता है। इसे
रोकने के लिए, पवरकारों द्वारा कवरेज की
जिम्मेदारी भर जाती है। सभी को सड़क
सुरक्षा के संरक्षकों का पालन करना चाहिए।
इसके साथ ही अवैध द्राइविंग लाइसेंस पर



लागाम लाना चाहिए। तभी होने वाली दुर्घटनाओं पर नियंत्रण पाया जा सकता है। गोपी में विभाग के डॉ अनिल कुमार विश्वा ने कहा कि सड़क सुरक्षा के नियमों का अनुपालन करना सभी की जिम्मेदारी बनती है। सचरा माध्यमों द्वारा सुरक्षा के प्रति लोगों को निरंतर जागरूक किया जाता रहा है। उन्होंने कहा कि स्वयं को सुरक्षित रखें और दूसरों को भी सुरक्षित रहें। विकासी व्यक्ति का जीवन अनेकों है। गोपी में विभाग के छात्र-छात्राओं ने भी अपने विचार बढ़वाह कर रखे। उमंगी सिंह ने कहा कि युवा ओवर कूप वाहन न लड़वायें। जगन्नाथ मिश्र ने कहा कि सड़क सुरक्षा के नियमों का पालन स्वयं सकलित्वा होकर करना होगा। अधिभेद दूषे ने कहा कि सड़क सुरक्षा के नियमों का अनुपालन करते हुए दुर्घटना से बचा जा सकता है।

कविता संग्रह चाक पे माटी सा मन का लोकार्पण कल

पीबीटी संवाददाता

परे इलाज को चाहिए 36 लाख
दी 50 हजार की सहायता

इस गंभीर बीमारी के लिए उस बच्चे की जितनी मदद हो सके उसकी मदद सबको करनी चाहिए। श्री पांडे ने ईश्वर से प्रार्थना

दीक्षा गीतम् ने कहा कि वाहन चलाते समझौता इतना का प्रयोग न करें। रेणुनी कम्पार्स ने कहा कि यक्षिं को रक्षा और सुखदाता दोनों की आवश्यकता है। इसलिए सङ्कट पर समिल गति से वाहन चलाये। अभिषेक पाण्डित ने कहा कि सङ्कट सुरक्षा के नियमों की तापावाही के कारण सुखदाता शायद संलोग विकलांग हो जा रहे हैं। गोष्ठी ने हरिकृष्ण यज्ञद ने कहा कि सङ्कट सुरक्षा से ज्यामाल के दोनों में भूमिका की भूमिका होती है। सुधांशु शुक्ला ने कहा विसङ्कट सङ्कट सुरक्षा के प्रयोग मांडिया प्रयोग है। शिलेश यज्ञद ने कहा कि देश की सीमा पर जितने ज्वान शहीद नहीं होते हैं तउसमें ज्यादा सङ्कट दुर्घटने में जान गवा बैठते हैं उत्तम ओड्जा ने कहा कि दुर्घटना से आर्थिक नुकसान होता है। अतुल कुमार ने कहा विसर्वेषण से पता चलता है कि अत्यधिक मौते सङ्कट हादसे की वजह से होती हैं इसके लिए जनपद स्तर पर कार्यक्रम चलाकर जगाकर हीना होगा। सीरिप भूमिका ने कहा कि सङ्कट दुर्घटना के उपरांत विकलित उपवास तत्काल आवश्यक है। इससे जीवन रक्षा हो जाती है। गोष्ठी ने आदर्श मित्रा ने कहा कि सङ्कट सुरक्षा वे नियमों का पालन युवाओं को अत्यधिक बचाव करना चाहिए। प्रगति टाकुर ने कहा विवाहन चलाते समय स्टोर बेट्ट व हेल्पर लगाना पहली प्राथमिकता होनी चाहिए। मनीषा ओड्जा ने कहा कि सङ्कट सुरक्षा आवश्यक उपयोग है। निलोस दिवेंदे ने कहा कि सङ्कट दुर्घटना में हालांगे लोगों की मौत आवश्यकता है।

रोज होती है। इसके पीछे कहीं न कहीं हम सभी जिम्मेदार हैं। गोष्ठी को अनन्मोल उपाध्याय ने भी स्वाच्छित किया। कार्यक्रम का संचयन छात्रांता स्थिं द्वारा किया गया। धन्दवाद जापन छात्र प्रनीता राय ने किया। इस अवसर बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारदार उभूर तनकीह तलव
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)

न्यायालय श्रीमान् सिविल जज् (जू.)

डि.) हवेली महोदय, फैजाबाद

मूलवाद सं.- 941/22
दार्शन दोषी - 21/22/2022

ताराख पशा -01/02/2023

नसाम खा बाद बनाम अताक खा आद
प्रतिवादी

ब्रातावादा

निवासी मौजा दीलतपुर पोस्ट बारुन परगना

हवेली अवध तहसील सोहावल जिला

अयोध्या। २- इजहार खान पुत्र जुवेर खान

निवासी मौजा दौलतपुर पोस्ट बारून परगना

हवेली अवध तहसील सोहावल जिला

अयाध्या हाल निवासा विक्रूल मान्दर वसाहत
क्रम नं. 43.6/24 जेम्बार्ड बाईमा सोड शिवानी

रुम नं. ४२६/२४ जरवाइ बाढ़मा राड़ शबड़ा
मस्तई (महाराष्ट्र)। ३- मो. उमीम पत्र आमीम

मुख्य (महाराष्ट्र) १३- मा. नसाम पुत्र शमान
निवासी मीजा दीलतपुर पोस्ट बारून परगना

हवेली अवध तहसील सोहावल जिला

अयोध्या।

हमराह वादी... ने आपके नाम नालिश

बाबत के दायर की है लिहाजा आपको हुक्म

होता है कि आप बातारीख 01 माह फरवरी सन् 2023 ई. तक तक 10 दिन के

दैनिक जागरण, अयोध्या

दिनांक: 07 जनवरी, 2023

पृष्ठ संख्या: 04

नौ तक भरे जाएंगे सेमेस्टर परीक्षा फार्म

संस्. अयोध्या: डा. राममनोहर लोहिया अवधि विश्वविद्यालय के बीए, बीएससी व बीकाम प्रथम, तृतीय सेमेस्टर व एलएलबी (त्रिवर्षीय व पंचवर्षीय) सेमेस्टर की आनलाइन परीक्षा फार्म भरने की तिथि बढ़ा दी गई है। बीए, बीएससी व बीकाम प्रथम व तृतीय सेमेस्टर के विद्यार्थी परीक्षा शुल्क के साथ नौ जनवरी तक फार्म भर सकेंगे। एलएलबी (त्रिवर्षीय व पंचवर्षीय) सेमेस्टर के विद्यार्थी फार्म 10 जनवरी तक भर सकेंगे। इससे पूर्व चार जनवरी तक परीक्षा फार्म भरने की तिथि तय थी। कुलपति प्रो. प्रतिभा गोयल ने छात्रहित में तिथि बढ़ाई है। बीए, बीएससी व बीकाम प्रथम व तृतीय सेमेस्टर के विद्यार्थी 10 जनवरी तथा एलएलबी के विद्यार्थी 11 जनवरी तक अपने महाविद्यालय में फार्म जमा कर सकेंगे। इन परीक्षा फार्मों का कालेज स्तर पर 11 जनवरी तक सत्यापन होगा। इसके साथ प्रथम सेमेस्टर में बैंक पेपर व अनुत्तीर्ण विद्यार्थियों को परीक्षा फार्म भरना होगा।

यातायात के नियमों की अवहेलना से दूसरों को भी खतरा

संस्. अयोध्या :डा. राममनोहर लोहिया अवधि विश्वविद्यालय के जनसंचार एवं पत्रकारिता विभाग में शुक्रवार को सड़क सुरक्षा जागरूकता में संचार माध्यमों की भूमिका विषय पर गोष्ठी हुई। समन्वयक डा. विजयेंदु चतुर्वेदी ने कहा कि सड़क सुरक्षा के प्रति संचार माध्यमों की जिम्मेदारी अत्यधिक बढ़ गई है। सड़क पर होने वाली दुर्घटनाओं को मीडिया में प्रसारित एवं प्रकाशित करने के बाद भी दुर्घटनाएं कम नहीं हो रही हैं।

डा. चतुर्वेदी ने कहा कि सड़क सुरक्षा के (यातायात) नियमों की अवहेलना से लोगों को अपनी जान गवानी पड़ती है और इसमें दूसरों की भी जान चली जाती है। डा. राजनारायण पांडेय, डा. अनिल कुमार विस्त्रा व अनमोल उपाध्याय ने संबोधित किया। संचालन छात्रा तान्या सिंह ने एवं धन्यवाद प्रनीता राय ने ज्ञापित किया। इस अवसर छात्र-छात्राएं उपस्थित रहीं।

अवध कमेंट वीक, अयोध्या

दिनांक: 07 जनवरी, 2023

पृष्ठ संख्या: 03

सड़क सुरक्षा जागरूकता में संचार माध्यमों की भूमिका पर गोष्ठी पत्रकारिता के छात्र-छात्राओं ने सड़क सुरक्षा के मुद्दों पर किया मंथन

अवध कमेंट वीक

अयोध्या। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के जनसंचार एवं पत्रकारिता विभाग में शुक्रवार सड़क सुरक्षा जागरूकता में संचार माध्यमों की भूमिका विषय पर एक गोष्ठी आयोजित की गई। गोष्ठी को संबोधित करते हुए एम्सीजे समवयक डॉ. विजयेन्द्र चतुर्वेदी ने कहा कि सड़क सुरक्षा के प्रति संचार माध्यमों की जिम्मेदारी अत्यधिक बढ़ गई है। सड़क पर होने वाली दुर्घटनाओं को मीडिया द्वारा प्रसारित एवं प्रकाशित की जाती है जो आमजनमानस को काफ़ी जागरूक करती है। इसके बावजूद दुर्घटनाओं में कमी नहीं देखी जा रही है। डॉ। चतुर्वेदी ने बताया कि सड़क सुरक्षा के नियमों की अवहेलना स्वयं के साथ अन्य के परिवर्तों को अपनी जान गवानी पड़ती है। आज जरूरत है कि सड़क सुरक्षा के नियमों का कड़ाई के साथ अनुपालन हो और अन्य को भी जागरूक करने की पहल की जाये। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार द्वारा सड़क सुरक्षा के प्रति सतर्कता बरतने के लिए समय-समय पर शिक्षण संस्थानों सहित कई सरकारी, गैर सरकारी संस्थाओं द्वारा अभियान चलाया जा रहा है। मीडिया द्वारा चलाई जा रही मुहिम का लोगों के बीच व्यापक असर पड़ रहा है। विभाग के शिक्षक डॉ. राजनारायण पाण्डेय ने कहा कि सड़क सुरक्षा लोगों के जीवन से जुड़ा हुआ है। सभी को बाहन चलाते समय सतर्कता बरतनी जरूरी है। उन्होंने सड़क दुर्घटना के कई कारणों को गिनाते हुए कहा कि सड़क सुरक्षा के पीछे लोगों द्वारा किए गए सड़क मार्गों पर अतिक्रमण भी है। इसें रोकने के लिए पत्रकारों द्वारा कवरेज की जिम्मेदारी बढ़ जाती है। सभी को सड़क सुरक्षा के संकेतों का पालन करना चाहिए। इसके साथ ही अवैध ड्राइविंग लाइसेंस पर



अवध विवि में आयोजित गोष्ठी

लगाम लगना चाहिए। तभी होने वाली दुर्घटनाओं पर नियंत्रण पाया जा सकता है। गोष्ठी में विभाग के डॉ। अनिल कुमार विश्वा ने कहा कि सड़क सुरक्षा के नियमों का अनुपालन करना सभी की जिम्मेदारी बनती है। संचार माध्यमों द्वारा सुरक्षा के प्रति लोगों को निरंतर जागरूक किया जाता रहा है। उन्होंने कहा कि स्वयं को सुरक्षित रखें और दूसरे को भी सुरक्षित रहने दे। विभाग के प्रत्येक व्यक्ति को जीवन अनमोल व्यर्थोंके प्रत्येक व्यक्ति को जीवन अनमोल है। गोष्ठी में विभाग के छात्र-छात्राओं ने भी अपने विचार बढ़ावद दिये। हिमांशी सिंह ने कहा कि युवा ओवर स्पीड बाहन न चलाये। जगनाथ मिश्र ने कहा कि सड़क सुरक्षा के नियमों का पालन स्वयं संकल्पित होकर करना होगा। अभियेक दुबे ने कहा कि सड़क सुरक्षा के नियमों का अनुपालन करते हुए दुर्घटना में जान गवर बैठते हैं। उत्तम ओझा ने कहा कि दुर्घटना से आर्थिक नुकसान होता है। अतुल कृपार ने कहा कि सर्वेक्षण से पता चलता है कि अत्यधिक मौतें सड़क हादसे की बजह से होती हैं। दीक्षा गीतम ने कहा कि बाहन चलाते समय

चलाकर जागरूक होना होगा। सौरभ मित्र ने कहा कि सड़क दुर्घटना के उपरांत चिकित्स उपचार तत्काल आवश्यक है। इससे जीवन रक्षा हो जाती है। गोष्ठी में आदर्श मिश्र ने कहा कि सड़क सुरक्षा के नियमों का पालन युवाओं को अत्यधिक करना चाहिए। प्रातः वाकुर ने कहा कि बाहन चलाते समय सीट बेल्ट व हेमेट लगाना पहली प्राथमिकता होनी चाहिए। मनीषा ओझा ने कहा कि सड़क सुरक्षा अवश्यक उपाय है। निलेश द्विवेदी ने कहा कि सड़क दुर्घटना में हजारें लोगों की मौत रोज होती है। इसके पीछे कहीं न कहीं हम सभी जिम्मेदार हैं। गोष्ठी को अनमोल उपाध्याय ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम का संचालन छात्र तान्या सिंह द्वारा किया गया। धन्यवाद ज्ञापन छात्र प्रतीता राय ने किया। इस अवसर बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

कुटुंब जागरण, अयोध्या

दिनांक: 07 जनवरी, 2023

पृष्ठ संख्या: 02

विवि में सङ्क सुरक्षा जागरूकता में संचार माध्यमों की भूमिका पर गोष्टी का आयोजन

कुटुंब जागरण व्यूहों

अयोध्या। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के जनसंचार एवं पत्रकारिता विभाग में शुक्रवार को सङ्क सुरक्षा जागरूकता में संचार माध्यमों की भूमिका विषय पर एक गोष्टी आयोजित की गई। गोष्टी को संबोधित करते हुए एमसीजे समन्वयक डॉ. विजयेन्द्र चतुर्वेदी ने कहा कि सङ्क सुरक्षा के प्रति संचार माध्यमों की जिम्मेदारी अत्यधिक बढ़ गई है। सङ्क पर लोगों को जागरूक करने की विषयक डॉ. राजनारायण पाण्डेय ने कहा कि अपने लोगों को जागरूक करना चाहिए। इसके पास वाली दुर्घटनाओं का मीडिया द्वारा प्रसारित एवं प्रकाशित की जाती है जो आमजननामनस को काफी जागरूक करती है। इसके बावजूद दुर्घटनाओं में कमी नहीं देखी जा रही है। डॉ. चतुर्वेदी ने बताया कि सङ्क सुरक्षा के नियमों की अवहेलना स्वयं के साथ अन्य को परिवारों को अपनी

जन गवानी पड़ती है। आज जरूरत है कि सङ्क सुरक्षा के नियमों का कड़ाई के साथ अनुपालन हो और अन्य को भी जागरूक करने की पहल की जाये। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार द्वारा सङ्क सुरक्षा के प्रति सतर्कता बढ़ावे के लिए समर्पण पर शिक्षण संस्थानों सहित कई सरकारी, गैर सरकारी संस्थाओं द्वारा अभियान चलाया जा रहा है। मीडिया द्वारा चलाई जा रही मुहिम का लोगों के बीच व्यापक असर पड़ रहा है। विभाग के शिक्षक डॉ. राजनारायण पाण्डेय ने कहा कि सङ्क सुरक्षा लोगों के जीवन से जुड़ा हुआ है। सभी को वाहन चलाते समय वाली दुर्घटनाओं पर निर्विवरण पाया जा सकता है। गोष्टी में विभाग के डॉ. अनिल कुमार विष्वा ने कहा कि सङ्क सुरक्षा के नियमों का अनुपालन करना हुए कहा कि सङ्क सुरक्षा के पीछे सभी को जिम्मेदारी बनती है। संचार



अतिक्रमण भी है। इसें रोकने के लिए, पत्रकारों द्वारा कवरेज की जिम्मेदारी बढ़ जाती है। सभी को सङ्क सुरक्षा के संकेतों का पालन करना चाहिए। इसके साथ ही अवैध डाइविंग लाइसेंसों पर लगाम लगाना चाहिए। तभी होने वाली दुर्घटनाओं पर निर्विवरण पाया जा सकता है। गोष्टी में विभाग के डॉ.

माध्यमों द्वारा सुरक्षा के प्रति लोगों का निरंतर जागरूक किया जाता रहा है। उन्होंने कहा कि स्वयं को सुरक्षित रखा और दूसरे को भी सुरक्षित रहने दे। क्वांटिक प्रयोक्ता का जीवन अनप्रोल है। गोष्टी में विभाग के छात्र-छात्राओं ने भी अपने विचार बढ़ावड़ कर रखे। हिमांशी सिंह ने कहा कि यह और स्पॉड सुरक्षा के बीच व्यापक बढ़ावड़ कर रहा है। गोष्टी में विभाग के नियमों का लापरवाही देखा गया करने में सहायता में लोग विकल्प हो जा रहे हैं। गोष्टी में हारि या यादव ने कहा कि सङ्क सुरक्षा से जागरूक करने में छात्र-छात्राओं ने भी अपने विचार बढ़ावड़ कर रखे।

सीमित गति से वाहन चलाये। अपिषेक पाण्डेय ने कहा कि सङ्क सुरक्षा के नियमों की लापरवाही देखा गया करने में सहायता में लोग विकल्प हो जा रहे हैं। गोष्टी में विभाग के नियमों का लापल युवाओं को अल्पधिक करना चाहिए। प्राप्ति द्वारा ने कहा कि वाहन चलाते समय सीट बेल्ट व सुधांशु शुक्ला ने कहा कि सङ्क सुरक्षा के प्रति मीडिया प्रेरक है। शैलेश यादव ने कहा कि देश की सीमा पर वितने सुरक्षा अवश्यक उपाय है। निलेश जवान शहीद जीत होते हैं उससे ज्यादा द्विवेदी ने कहा कि सङ्क दुर्घटना में सङ्क सुरक्षा की मीठे रोज होती है। इसके पास होती है कि सङ्क सुरक्षा के नियमों का अनुपालन करते हुए दुर्घटना से बचा करना होता है। दीक्षा गौतम ने कहा कि वाहन चलाते समय मोबाइल का प्रयोग न करें। रोशनी कुमारी ने कहा कि सङ्क व्यक्ति को रक्षा और सुरक्षा दोनों की आवश्यकता है। इसलिए सङ्कों पर

सङ्क दुर्घटना के उपरांत चिकित्स उपचार तकाल आवश्यक है। इससे जीवन रक्षा हो जाती है। गोष्टी में आर्स मिश्र ने कहा कि सङ्क सुरक्षा के नियमों का पालन युवाओं को अल्पधिक करना चाहिए। प्राप्ति द्वारा ने कहा कि वाहन चलाते समय सीट बेल्ट व हेल्मेट लगाना पहली प्रारम्भिकता होती है। चाहिए। भरोष औजा ने कहा कि सङ्क सुरक्षा अवश्यक उपाय है। निलेश जवान शहीद जीत होते हैं उससे ज्यादा द्विवेदी ने कहा कि सङ्क दुर्घटना में हजारों लोगों की मीठे रोज होती है। इसके पास होती है कि सङ्क सुरक्षा के नियमों का जिम्मेदारी है। गोष्टी को अनमोल उपायाय ने भी संवेदित किया। कार्यक्रम का संचालन छात्रा ताना सिंह द्वारा किया गया। धन्यवाद जापन छात्रा प्रनीता राय ने किया। इस अवसर बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं द्वारा उपस्थित रहे।

अमृत विचार, अयोध्या

दिनांक: 07 जनवरी, 2023

पृष्ठ संख्या: 03

सार-संक्षेप

सङ्क सुरक्षा जागरूकता में संचार माध्यमों की भूमिका पर गोष्टी

अमृत विचार, अयोध्या। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के जनसंचार एवं पत्रकारिता विभाग में शुक्रवार को सङ्क सुरक्षा जागरूकता में संचार माध्यमों की भूमिका विषय पर एक गोष्टी आयोजित की गई। गोष्टी को संबोधित करते हुए एमसीजे समन्वयक डॉ. विजयेन्द्र चतुर्वेदी ने कहा कि आज जरूरत है कि सङ्क सुरक्षा के नियमों का कड़ाई के साथ अनुपालन हो और अन्य को भी जागरूक करने की पहल की जाये। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार द्वारा सङ्क सुरक्षा के प्रति सतर्कता बढ़ावे के लिए समर्पण पर शिक्षण संस्थानों सहित कई सरकारी, गैर सरकारी संस्थाओं द्वारा अभियान चलाया जा रहा है। मीडिया द्वारा चलाई जा रही मुहिम का लोगों के बीच व्यापक असर पड़ रहा है। विभाग के शिक्षक डॉ. राजनारायण पाण्डेय ने कहा कि सङ्क सुरक्षा लोगों के जीवन से जुड़ा हुआ है। सभी को वाहन चलाते समय वाली दुर्घटनाओं पर निर्विवरण पाया जा सकता है। गोष्टी में विभाग के डॉ.